



टाटा ने एयर इंडिया का घाटा 60 प्रतिशत कम किया

टाटा सन्स की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, एयर इंडिया के सालाना टर्न ओवर में 23.69 प्रतिशत की वृद्धि हुई है

-सुकुमार साह-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। टाटा सन्स की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार एयर इंडिया ने अपना घाटा 60 प्रतिशत कम कर लिया है। वित्तीय वर्ष 23 में यह घाटा 11,387.96 करोड़ रुपये था जो इस वर्ष घट कर 4,444.10 करोड़ रुपये है।

एयरलाइन का टर्न ओवर पिछले वर्ष के, 31,377 करोड़ के टर्न ओवर की तुलना में 23.69 प्रतिशत बढ़कर 4,444.10 करोड़ रुपये है।

इसके अतिरिक्त, एयर इंडिया ने

51,365 रुपये का अपना अब तक का सबसे अधिक कर्सालिडेट एयरल

अॉफरिंग रेवन्यु (सेमेक्ट वार्षिक

वित्त वर्ष 23 की तुलना में 24.5 1,059 मिलियन उपलब्ध सीट

प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि किलोमीटर की क्षमता में हुई 21

- वर्ष 2022 में टाटा ग्रुप ने भारी घाटे के कारण बंद होने के कागज पर पहुंच चुकी एयर इंडिया को खरीदा था तब से एयर इंडिया की डिमांड निरतर बढ़ रही है। वित्तीय वर्ष 2023 में एयर इंडिया का घाटा 11,387.96 करोड़ रुपये था जो इस वर्ष घट कर 4,444.10 करोड़ रुपये है।
- ज्ञातव्य है कि एयर इंडिया की स्थापना 1932 में जहांगीर रत्न टाटा ने की थी, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह सार्वजनिक लिमिटेड कम्पनी बन गई और इसका नाम एयर इंडिया कर दिया गया था।
- पर निजी विमान कम्पनियों के आने के बाद प्रतिस्पर्धा में एयर इंडिया पिछड़ गई और भारी घाटे में आ गई, फिर टाटा ने अपनी इस कम्पनी को पुनः अपने अधिकार में ले लिया।
- टाटा समूह ने एयर इंडिया के विस्तार की योजना बनाई है। टाटा एयर इंडिया एशिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के विलय की तैयारी में है, साथ ही विस्तार के एयर इंडिया के विलय की भी प्रक्रिया जारी है।

प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित है। एयरलाइन के यात्री लोड फैटर में भी सुधार हुआ है, जो पिछले वर्ष के 8.2 प्रतिशत से बढ़कर 8.5 प्रतिशत हो गया है।

रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान एयरलाइन ने 800 दैनिक उड़ानों का संचालन करके 40.45 मिलियन यात्रियों की सेवा की। जिसमें 55 डॉमेस्टिक और 44 इन्टरनेशनल डैरिटेनेशन (गंतव्य) शामिल हैं।

शुरूआत के एक आंतरिक सूचना में एयर इंडिया एक्सप्रेस के चीफ, आलोक सिंह ने घोषणा की कि 1 अक्टूबर को ए.ए.एस-कैप्टन का उसके साथ विलय हो जाएगा।

टाटा ग्रुप के एयरलाइन्स हैं- एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस पर तथा ए.एस-एक्स.एक्स-वैनर है। एयर इंडिया एक्स.एक्स, जबकि, विस्तार का, सिंगापुर एयरलाइन्स के साथ 51:49 का जाइन्ट वैनर है।

यह पहले ही घोषणा की जाकर है कि अंतिम उड़ान संचालित करेंगे और 12 नवंबर को इसके संचालन का एयर इंडिया के साथ विलय हो जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पत्नी की हत्या के अभियुक्त पति को आजीवन कारावास

जयपुर, 9 सितम्बर। आतिरिक सत्र न्यायालय एयरलाइन की डिमांड निरतर बढ़ रही है। वित्तीय वर्ष 2023 में एयर इंडिया का घाटा 11,387.96 करोड़ रुपये था जो इस वर्ष घट कर 4,444.10 करोड़ रुपये है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर

लोक अभियोजक संघिया खान ने

अदालत को बताया कि इस संघ में

मुशरफ हुसैन ने भारी ग्रेटर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया था

वह गोकुल वाटिका, वैशाली एसेट में लिपार्स के काम का सुपरवाइजर है।

साइट पर परिवार सहित रहकर काम

पति अपनी पत्नी के चित्रित पर शक करता था और दोनों में आये दिन झगड़ा होता था।

करने वाला मजदूर रत्न 28 अप्रैल, 2021 को उसके पास आया और उन्होंने सोनिया के बेहोश होने की बात कही। जब वह कुछ मजदूरों के साथ रतन के कर्म में हो गया तो उन्होंने फौंसी पर सोनिया रखी थी। जब उड़ोने के बाद हटाकर देखा तो सोनिया के बेहोश होने की बात कही।

उड़ोने के बाद एयरलाइन की डिमांड वैनर है। एयर इंडिया एक्सप्रेस पर तथा ए.एस-एक्स-वैनर है। एयर इंडिया एक्स.एक्स-वैनर को बेहोश होने की बात कही।

यह पहले ही घोषणा की जाकर है कि अंतिम उड़ान को अपने नाम से अंतिम उड़ान संचालित करेंगे और 12 नवंबर को इसके संचालन का एयर इंडिया के साथ विलय हो जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘डॉक्टर हड़ताल की मनःस्थिति छोड़कर दुर्गा पूजा के उत्सव में शामिल हों’

ममता बनर्जी की इस अपील ने जले पर नमक छिड़कने का काम किया

-अंजन रॉय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। पश्चिम

बंगल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने,

जिसमें पर नमक छिड़कने का काम करते

हुए, राज्य की जनत से कहा कि वह

महिला पोर्ट-ग्रेजुएट डॉक्टरों के रूप में

मर्डर को लेकर चल रहे जन-आदालत

को खत्म करे तथा ‘उत्सव मनाने

की स्थिति में लौट आए।

एक शिक्षक के इस पक्ष कहा कि

मुख्यमंत्री अपनी अधिकारी अलग-थलग

तथा अकेली पड़ रहे हैं कि वे प्रत्यावाह

करते हुए घोषणा की जाएगी।

पोर्ट-ग्रेजुएट

मेडिकल डॉक्टरों के लिए लोकर

आदालत दिन-पर-दिन फैल रहा है।

जिसमें आगे देखा गया तथा उन्होंने

सोनिया के बारे में आये उन्होंने

उड़ोने की अपील की जाएगी।

उड़ोने की अपील के बाद एयर

इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ोने की अपील को

माना जाएगा।

उड़ोने की अपील के बाद एयर

इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ोने की अपील को

माना जाएगा।

उड़ोने की अपील के बाद एयर

इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ोने की अपील को

माना जाएगा।

उड़ोने की अपील के बाद एयर

इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ोने की अपील को

माना जाएगा।

उड़ोने की अपील के बाद एयर

इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ोने की अपील को

माना जाएगा।

उड़ोने की अपील के बाद एयर

इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ोने की अपील को

माना जाएगा।

उड़ोने की अपील के बाद एयर

इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ोने की अपील को

माना जाएगा।

उड़ोने की अपील के बाद एयर

इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ोने की अपील को

माना जाएगा।

उड़ोने की अपील के बाद एयर

इंडिया एक्सप्रेस ने उड़ोने की अपील को

माना जाएगा।

विचार बिन्दु

घर का मोह कायरता का दूसरा नाम है। -अज्ञात

सेबी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच का मामला आखिर है क्या?

ग गत कुछ दिनों से सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच का नाम खबू चर्चा में है। इंडियन नेशनल कॉर्पोरेशन ने कुछ दिनों पूर्व एक प्रेस कॉर्डेस को सेबी (Stock Exchange Board of India) की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच पर गंभीर अरोप लगाया। यह प्रेस वार्ता कॉर्प्रेस की ओर से पब्लिक ड्राइर संबंधित की गई थी। इसके बाद दो-तीन और प्रेस वार्ताएं इस विषय पर की गई हैं।

इससे पहले कि हम माधवी पर लगे आरोपों के बारे में चर्चा करें, इनके बारे में कुछ जानकारी पाठकों को देना उपयुक्त होगा।

माधवी पुरी बुच की शिक्षा मूर्छे के फोर्ट कार्वेंट स्कूल डिल्ली के जीसस एंड मेरी कॉर्वेंट और स्टीफेस कॉर्लेज में हुई, जहां से इहोंने गणित में स्नातक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने आईआईएम अहमदाबाद से एमबीबी की डिप्री प्राप्त की। यह कहा जा सकता है कि माधवी एक उच्च प्रतियोगिता साली महिला है। इहोंने 2007 से 2017 तक आई.सी.आई.सी.आई. में नौकरी की। इसके बाद बदू जुलाई 2018 से मार्च 2022 तक सेबी की निदेशक एवं मार्च 22 से वे सेबी के अध्यक्ष पर पर कार्रवाई की गई हैं।

कॉर्प्रेस ने आरोप लगाया था कि आई.सी.आई. सी.आई. की नौकरी छोड़कर, सेबी की पूर्ण कालिक निदेशक बनने के बाद भी इहोंने वहां से लगभग 1 लाख रुपये बैंक के रूप में प्राप्त किए जो इनकी सेबी से आरोपी वेतन से कहीं अधिक है। आरोपों के संबंध में माधवी पुरी बुच द्वारा तो अब तक कुछ नहीं कहा गया है किंतु आई.सी.आई. ने एक स्पष्टीकरण की तरफ आरोपी जोड़ने की काया किया। यह कहा जा सकता है कि माधवी एक उच्च प्रतियोगिता साली महिला है। इहोंने 2007 से 2017 तक आई.सी.आई.सी.आई. में नौकरी की। इसके बाद बदू जुलाई 2018 से मार्च 2022 तक सेबी की निदेशक एवं मार्च 22 से वे सेबी के अध्यक्ष पर पर कार्रवाई की गई है।

सेबी, स्टॉक एक्सचेंज के शिक्षा माधवी पुरी बुच को बाद द्वारा स्पष्टीकरण निदेशक बनने के बाद भी उन्होंने आईसीआईसीआई के शेयर आरोप लगाया। यह एक घोर अनियमितता थी। यदि उनके द्वारा प्रेस किया जाता, तो उनका सेबी में बने रहना संभव नहीं था। यह आश्वर्य की बात है कि इस विषय में अभी तक सरकार या सेबी के निदेशक मंडल में से भी किसी ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी।

सामान्यतया, कोई ऐसी संस्था में कोई काम कर रहा होता है, जिसे किसी कंपनी को कोई प्रकरण नियंत्रित करने का आवश्यक होता है, तो उस व्यक्ति का कंपनी में विस्तीर्ण प्रकार का कोई दिवान होता है। माधवी पुरी बुच के लिए यह स्पष्ट रूप से 'कॉनफिलक्ट ऑफ इंटरेस्ट' का मामला था। इसके बारे में कोई सूचना उनके द्वारा सरकार को नहीं दी गई थी।

भारत कार्यकार के पूर्व वित्त सचिव भूमध्य पर्यावरण, जो कि 2017 में सेबी के निदेशक मंडल में थे, ने एक दी वी साक्षात्कार में बताया कि माधवी पुरी बुच इस संबंध में किसी प्रकार का कोई इंजीनियर होता है, तो यह व्यक्ति का कंपनी में आवश्यक होता है। यदि यह जानकारी उस समय प्राप्त होती, तो वह इस पद को ग्रहण नहीं कर पाता, न इस पर बने रह सकती थी।

हिंडूबाबर्ग रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि माधवी पुरी का अंजनी कोई एसी कंपनी में नियंत्रित करते समय सरकार या निदेशक मंडल को नहीं दी गई। यदि यह जानकारी उस विषय में बदल जाए तो उसे इन्होंने उनकी गतिविधि को बताया जाएगा।

इस बारे में सेबी के निदेशक मंडल या इचेंज किसी भी सदस्य के द्वारा कोई स्पष्टीकरण अथवा प्रेस नोट जारी नहीं किया जाना, आश्वर्यजनक है। कुछ वर्ष पूर्व जब आईसीआईसीआई की पूर्व अध्यक्ष चंद्रा को चर के विरुद्ध कुछ आरोप लगे तो वे अपने पद से अलग हुईं और बाहर के निदेशक मंडल ने उन पर एक जांच कर्मी नियुक्त की, जिसमें आरोपों को सही माना। परिणामस्वरूप, उन्हें न केवल अपना पद छोड़ना पड़ा बल्कि उनके ऊपर अपराधिक प्रकरण पूर्ण कर हुआ।

आई.सी.आई. सी.आई. ने आई.सी.आई. की नौकरी छोड़ने के बाद नहीं दी गई थी।

होना तो यह चाहिए था कि आरोप लगते ही सेबी के निदेशक मंडल द्वारा तत्काल एक जांच समिति गठित कर दी जाती और जो भी आरोप उन पर लगे हैं, उनके बारे में विस्तृत जांच की जानी चाहिए थी।

ऐसा न किए जाने से यह धारणा पुष्ट होती है कि सरकार एवं सेबी के निदेशक मंडल और स्वयं माधवी पुरी बुच के पास छोड़ना होता है।

होना तो यह चाहिए था कि आरोप लगते ही सेबी के निदेशक मंडल द्वारा तत्काल एक जांच समिति गठित कर दी जाती और जो भी आरोप उन पर लगे हैं, उनके बारे में विस्तृत जांच की जानी चाहिए थी। ऐसा न किए जाने से यह धारणा पुष्ट होती है कि सरकार एवं सेबी के निदेशक मंडल और स्वयं माधवी पुरी बुच के पास छोड़ना होता है।

किसी निजी कंपनी से सरकारी संस्था में कार्यभार संभालने के पहले संबंधित व्यक्ति को आपने सारे शेयर बैच देने चाहिए थे, अतः उसके संबंध में पूरी जानकारी नई संस्था के साथ-साथ सरकार को भी दिया जाना चाहिए।

सेबी के नियामक संस्था में कोई काम करता है जो आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है। यह स्पष्टीकरण करते समय सेबी के निदेशक मंडल को अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पद पर पांधी पुरी बुच के बने रहने और उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास बनाए रखने की जानकारी सामने आने के बाद जुड़ने उनके विरुद्ध कांच जानी नहीं करता, क्योंकि उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है।

यह उल्लेखनीय है कि किसी कंपनी के नियामक संस्था में कोई काम करता है जो आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है। यह स्पष्ट बताया जाए तो सेबी के नियामक मंडल को अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पद पर पांधी पुरी बुच के बने रहने और उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास बनाए रखने की जानकारी सामने आने के बाद जुड़ने उनके विरुद्ध कांच जानी नहीं करता, क्योंकि उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है।

यह उल्लेखनीय है कि किसी कंपनी के नियामक संस्था में कोई काम करता है जो आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है। यह स्पष्टीकरण करते समय सेबी के नियामक मंडल को अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पद पर पांधी पुरी बुच के बने रहने और उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास बनाए रखने की जानकारी सामने आने के बाद जुड़ने उनके विरुद्ध कांच जानी नहीं करता, क्योंकि उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है।

यह उल्लेखनीय है कि किसी कंपनी के नियामक संस्था में कोई काम करता है जो आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है। यह स्पष्टीकरण करते समय सेबी के नियामक मंडल को अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पद पर पांधी पुरी बुच के बने रहने और उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास बनाए रखने की जानकारी सामने आने के बाद जुड़ने उनके विरुद्ध कांच जानी नहीं करता, क्योंकि उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है।

यह उल्लेखनीय है कि किसी कंपनी के नियामक संस्था में कोई काम करता है जो आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है। यह स्पष्टीकरण करते समय सेबी के नियामक मंडल को अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पद पर पांधी पुरी बुच के बने रहने और उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास बनाए रखने की जानकारी सामने आने के बाद जुड़ने उनके विरुद्ध कांच जानी नहीं करता, क्योंकि उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है।

यह उल्लेखनीय है कि किसी कंपनी के नियामक संस्था में कोई काम करता है जो आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है। यह स्पष्टीकरण करते समय सेबी के नियामक मंडल को अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पद पर पांधी पुरी बुच के बने रहने और उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास बनाए रखने की जानकारी सामने आने के बाद जुड़ने उनके विरुद्ध कांच जानी नहीं करता, क्योंकि उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है।

यह उल्लेखनीय है कि किसी कंपनी के नियामक संस्था में कोई काम करता है जो आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है। यह स्पष्टीकरण करते समय सेबी के नियामक मंडल को अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पद पर पांधी पुरी बुच के बने रहने और उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास बनाए रखने की जानकारी सामने आने के बाद जुड़ने उनके विरुद्ध कांच जानी नहीं करता, क्योंकि उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है।

यह उल्लेखनीय है कि किसी कंपनी के नियामक संस्था में कोई काम करता है जो आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है। यह स्पष्टीकरण करते समय सेबी के नियामक मंडल को अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पद पर पांधी पुरी बुच के बने रहने और उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास बनाए रखने की जानकारी सामने आने के बाद जुड़ने उनके विरुद्ध कांच जानी नहीं करता, क्योंकि उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है।

यह उल्लेखनीय है कि किसी कंपनी के नियामक संस्था में कोई काम करता है जो आई.सी.आई. के शेयर अपने पास रखी है। यह स्पष्टीकरण करते समय सेबी के नियामक मंडल को अध्यक्ष एवं अध्यक्ष पद पर पांधी पुरी बुच के बने रहने और उनके द्वारा आई.सी.आई. के शेयर अपने पास बनाए रखने की जानकारी सामने आने के बाद जुड़ने उनके विरुद्ध कांच ज

